डी.ए.वी.डिग्री कॉलेज, लखनऊ

प्रेस विज्ञप्ति....

दिनांक 17 अक्टूबर 2025 को डी.ए.वी. डिग्री कॉलेज, लखनऊ के पंडित भृगुदत्त तिवारी ऑडिटोरियम में "आई.ए.एस. ओलंपियाड" में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन मिशन शक्ति एवं कैरियर काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सम्मानित संरक्षक श्री मनमोहन तिवारी, आर्य समाज गणेशगंज के प्रधान श्री आनंद मोहन तिवारी, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो राजीव कुमार त्रिपाठी, उप-प्राचार्य प्रो संजय तिवारी तथा ध्येय आई.ए.एस. के निदेशक श्री विजय सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा माता सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इसके पश्चात ध्येय आई.ए.एस के निदेशक विजय सिंह द्वारा प्रबंधक जी को पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसी क्रम में उन्होंने प्राचार्य, उप-प्राचार्य और प्रधान गणेश गंज जी को भी पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि श्री विजय सिंह ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि "आई.ए.एस. जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता के लिए अनुशासन और सतत प्रयास सबसे आवश्यक तत्व हैं।"

महाविद्यालय के संरक्षक श्री मनमोहन तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि "डी.ए.वी. परिवार का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें ऐसे अवसर प्रदान करना है जहाँ वे अपनी प्रतिभा और लगन से नई ऊँचाइयों को प्राप्त करें।"

कार्यक्रम में आई.ए.एस. ओलंपियाड में प्रथम रैंक प्राप्तकर्ता अनुष्का दुबे को ध्येय आई.ए.एस. द्वारा चेक एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त 14वीं रैंक प्राप्त करने वाली छात्रा प्रीति चौरसिया को भी प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रीति सक्सेना (संयोजक, कैरियर काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट सेल) द्वारा किया गया तथा प्रो. कल्याणी दीक्षित ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

समारोह में महाविद्यालय के सभी सम्मानित प्राध्यापकगण, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, 29 छात्र और 25 छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।



















